



ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः। सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु। मा कश्चित् दुःख भागभवेत्।।
ॐ शान्तिः! शान्तिः! शान्तिः!!



Head Office : 136/4C/6A, Bhagirath Marg, Chota Baghada, Prayagraj-211002

Branch Office : 76/3A, Sutrkhana, (Near Appu Medical Store),
Salori, Prayagraj-211004

Swadesh Seva Sansthan

@SSS_swadesh_NGO

sansthanswadeshseva@gmail.com

swadeshsevasansthan.in

8127009790



स्वदेश सेवा संस्थान



रजिस्ट्रेशन क्र.:- 06536/2020-21

**“आओ लें सामाजिक सेवा का संकल्प,
समाज की तरक्की का यही है विकल्प”**

sansthanswadeshseva@gmail.com

8127009790

कोविड सेवा कार्य



कोरोनाकाल में स्वदेश सेवा संस्थान टीम द्वारा सेवा बस्तियों में लोगों को कोविड के प्रति जागरूक किया गया, साथ ही स्वदेश सेवा संस्थान की टीम द्वारा सेवा बस्तियों, रेलवे पट्टी के किनारे झुग्गी-झोपड़ियों में रह रहे लोगों के बीच मास्क व सेनेटाइज़र का वितरण किया गया जिससे वह कोरोना जैसी महामारी से अपनी सुरक्षा कर सकें।



इस समयकाल ने बहुत से लोगों को अपनों की परख व एहसास कराया। स्वदेश सेवा संस्थान टीम ने सभी जरूरतमंदों के बीच समय-समय आवश्यकतानुसार भोजन का वितरण का कार्य किया गया।



प्रयागराज प्रशासन द्वारा कोविड काल के दौरान स्टॉफ की अनुपस्थिति में सभी टीकाकरण सेन्टरों पर स्वदेश सेवा संस्थान के कार्यकर्ता उपस्थित होकर प्रयागराज प्रशासन की मदद करने का प्रयास किया। साथ ही लोगों को टीकाकरण के लिए जागरूक भी किया गया।



स्वदेश सेवा संस्थान

“परिचय”

वर्ष 2020 के पूर्व स्वदेश सेवा संस्थान 2018 से स्वदेश युवा शक्ति के रूप में समाज के लिए कार्य कर रही है। 17 दिसम्बर 2020 को स्वदेश युवा शक्ति का रजिस्ट्रेशन स्वदेश सेवा संस्थान के रूप में कराया गया। तब से स्वदेश सेवा संस्थान प्रयागराज के सेवा बस्तियों में कार्य कर रही है।



स्वदेश सेवा संस्थान की प्रथम पाठशाला संजयनगर, अल्लापुर में चलाई गयी जिसकी शुरुआत मात्र 13 बच्चों से की गई थी। वर्तमान में स्वदेश सेवा संस्थान की कुल छः शाखाएं हैं। जिसमें कुल 350 बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है।



“संस्थापक परिचय”



सचिन सिंह राजकुमार

मैं सचिन सिंह ‘राजकुमार’ मेरा उद्देश्य समाज में अन्तिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को शिक्षित करना है। जिससे वे अपना जीविकोत्पार्जन आसानी से कर सकें व समाज में सही गलत की पहचान कर सकें। आप सभी से एक विनम्र निवेदन है इस पुनीत कार्य में आप अपना सहयोग करें ताकि ज्यादा से ज्यादा सेवा बस्ती के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान किया जा सके। वर्तमान में स्वदेश सेवा संस्थान के सहयोग से 350 बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान किया जा रहा है।

स्वदेश सेवा संस्थान अभियान

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत स्वदेश सेवा संस्थान 2020 से निरंतर सामाजिक कार्य कर रही है। इस संस्थान के अन्तर्गत कई अभियानों पर कार्य किया जा रहा है जैसे:-

निःशुल्क शिक्षा अभियान

इस अभियान के अन्तर्गत स्वदेश सेवा संस्थान का लक्ष्य समाज के अन्तिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को शिक्षित बनाना है। जिससे वे अपने जीवन में सही गलत की पहचान कर सकें, और अपने जीवन को समाज और देश के प्रति सार्थक बनायें।



जल संरक्षण अभियान (जल ही जीवन है)

इस अभियान के अन्तर्गत जल के प्रयोग को घटाना एवं कृषि आदि के लिए जल का पुनः चक्रण की जागरूकता को लेकर सेवा बस्तियों में लोगों को जागरूक करना, साथ ही बच्चों के बीच में पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना।



श्रमिक सम्मान

(मैं मजदूर हूँ, मजबूर नहीं..)

9 मई के अवसर पर सभी श्रमिकों एवं दूसरों के घरों में काम करने वाली सभी स्त्रियों को स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा सम्मानित किया जाता है एवं बाल श्रम के निषेध पर आम जनो को जागरूक किया जाता है।



जागरूकता अभियान

इस अभियान के अन्तर्गत समाज के बीच बढ़ रहे तमाम अपराधों जैसे: साइबर सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, गुड टच एवं बैड टच व बाल मजदूरी इत्यादि के प्रति लोगों को जागरूक कराना एवं उन्हें सुरक्षा से जुड़ी बातों की जानकारी देने का कार्य किया जाता है।



सदस्यता अभियान

इस अभियान के अन्तर्गत लोगों को सामाजिक कार्य से जोड़ने के लिए एवं समाज के उत्थान एवं विकास के लिए सदस्यता दिलाई जाती है।



अवतरण दिवस अभियान

“अपनी खुशियों को दूसरों के साथ बाँटें”



इस कार्य के अन्तर्गत युवा स्वदेश सेवा संस्थान के साथ जुड़कर सेवा बस्तियों के बच्चों के बीच अपना जन्मदिवस मनाते हैं। इसके माध्यम से वे अपने जन्मदिवस के अवसर पर उन हाथों में कलम पकड़ाने का कार्य करते हैं। जो हमेशा बाल श्रम, अशिक्षा और नशे से पीड़ित होते हैं। अपने जन्मदिवस के अवसर पर लोग किताबें, कॉपी, पेन-पेन्सिल, शॉर्पनर, इरेजर, व्हाइट बोर्ड, दरी, पेन बॉक्स, कुर्सी, मेज, कलर इत्यादि आवश्यकतानुसार सामग्री का वितरण कर अपना जन्मदिन मनाते हैं।



नोट:- आप से आग्रह है आप भी अपने खुशियों को दूसरों के साथ बाँटें और जुड़े स्वदेश सेवा संस्थान के साथ।

वस्त्र वितरण अभियान

“तन पर वस्त्र मन में स्वाभिमान”

इस अभियान को स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा “शीतऋतु के शूरवीर” के नाम से चलाया जाता है।



उत्तर प्रदेश के कई जिलों जैसे: प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर इत्यादि जगहों पर जरूरतमंदों तक वस्त्र व गर्म कपड़े, कम्बल, शॉल, टोपी इत्यादि पहुंचाया जाता है।



नोट:- आप सभी समर्थ एवं इच्छुक लोगों से अनुरोध है कि आप नए अथवा पुराने कपड़ों को हमें डाक/कोरियर द्वारा भेज सकते हैं।

किसी भी असुविधा के लिए हमें मो० : 8127009790 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

निःशुल्क शिक्षा अभियान

“सबको पढ़ाएं सबको बढ़ाएं, एक नया भारत बनायें”



भारद्वाज शाखा



संदीपनी शाखा



बुद्धा शाखा

विभिन्न स्थानों पर संचालित
निःशुल्क पाठशालाओं
की सूची

क्र. स.	पाठशाला	स्थान
1.	भारद्वाज शाखा	बड़ा बघाड़ा प्रयागराज
2.	संदीपनी शाखा	तिकोना पार्क तेलियरगंज
3.	संगम शाखा	संगम, प्रयागराज
4.	विवेकानन्द शाखा	सलोरी प्रयागराज
5.	बुद्धा शाखा	अल्लापुर प्रयागराज
6.	भागीरथ शाखा	छोटा बघाड़ा प्रयागराज



संगम शाखा



विवेकानन्द शाखा



भागीरथ शाखा

“शिक्षा सबसे सशक्त हथियार है
जिससे दुनिया को बदला जा सकता है”

“नेल्सन मण्डेला”

वृक्षारोपण अभियान

“एक पेड़ दस पुत्र समान”

इस अभियान के अन्तर्गत वृक्षारोपण एवं संरक्षण का कार्यक्रम किया जाता है। इस कार्यक्रम में प्रयागराज के कई स्थानों पर वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कई उद्यान को तैयार करने का प्रयास रहता है।



जिससे पर्यावरण को प्रदूषण से बचाया जा सके और जन-मानस को शुद्ध वायु मिल सके। इस अभियान को और विस्तृत रूप देने के लिए आप भी एक वृक्ष अवश्य लगायें और प्रकृति का साथ दें।

“वृक्ष धरा का आभूषण है, करते दूर प्रदूषण है”

स्वास्थ्य सेवा कार्य

1. नेत्र परीक्षण

स्वदेश सेवा संस्थान कई नेत्र हॉस्पिटल्स के साथ मिलकर सेवा बस्तियों में नेत्र परीक्षण कैम्प का आयोजन करती है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत जरूरतमंदों की दवाइयां की व्यवस्था की जाती है साथ ही चिकित्सकों द्वारा उनके नेत्र की समस्याओं का निवारण किया जाता है।



2. रक्तदान कैम्प

स्वदेश सेवा संस्थान समय-समय पर ब्लड बैंकों के साथ मिलकर रक्त दान कैम्प लगाकर रक्त दान का कार्यक्रम करती है।



3. स्वास्थ्य शिविर

इसके अन्तर्गत वरिष्ठ चिकित्सकों के माध्यम से कई सेवा बस्तियों और जरूरतमंदों के बीच स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसमें उनकी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं का निवारण किया जाता है साथ ही उन्हें उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया जाता है।



भोजन वितरण

“अन्नदान”

स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा समाज के जरूरतमंद, असहाय एवं वंचित लोगों तक भोजन वितरण का कार्य किया जाता है। इसके साथ-साथ किसी भी प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित-जनों तक आवश्यक खाद्य सामग्री का वितरण भी संस्थान की टीम द्वारा किया जाता है।



योग दिवस कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वदेश सेवा संस्थान की टीम द्वारा योग दिवस के अवसर पर बच्चों के बीच योगाभ्यास कराया जाता है। साथ-ही-साथ जिला मानसिक स्वास्थ्य के डॉक्टरों द्वारा बच्चों को मानसिक समस्याओं के निवारण के लिए जागरूक किया जाता है तथा उन्हें स्वदेश सेवा संस्थान की ओर से सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाता है।



स्वावलम्बी भारत

“आत्मनिर्भर भारत में संस्था का योगदान”

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी को आत्मनिर्भर बनाना है। इसके अन्तर्गत शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के बीच मिट्टी के दीपक तैयार करना, झण्डे, पोस्टर, लिफाफा इत्यादि बनवाने का कार्य किया जाता है।



हुनर की पहचान

“छात्रों के हुनर की पहचान” के अन्तर्गत मेंहदी लगाती हुई छात्राएं व रक्षाबंधन के अवसर पर रक्षा सूत्र बनाती हुई छात्राएं।



सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा राष्ट्रीय पर्व व विभिन्न महापुरुषों की जयंती के शुभ अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।



टीम

स्वदेश सेवा संस्थान में अभी तक 300 लोगों ने सदस्यता ग्रहण की है। जिनमें से 70 सदस्य प्रतिदिन सभी शाखाओं पर क्रमानुसार 350 बच्चों को पढ़ाने का कार्य करते हैं।



स्वदेश शिक्षक सम्मान

स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा 350 बच्चों को प्रतिदिन निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षकों को विशेष सम्मान देने के लिए शिक्षक दिवस के अवसर पर उन्हें सम्मानित किया जाता है।



राष्ट्रीय कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, विभिन्न महापुरुषों की जयंती मनाई जाती है। साथ ही देश की सुरक्षा में शहीद हुए सैनिकों के सम्मान में उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है।



